



भारत का विज्ञापन The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY.

भाग II--खंड 3--उप-खंड (I)
PART II--Section 3--Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 377]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 5, 1990/बाद्र 14, 1912

No. 377]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 5, 1990/BHADRA 14, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या को जानी है कि यह अलग संकलन के हाफ में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1990

ग. 33/90-केन्द्रीय गवर्नर गोपन (एम डी.)

मा. का. नि. 757(भ) .—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नियम, 1944 के नियम 1944 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त विविधों का
प्रयोग करते हुए, सभी उत्पाद शुल्क माल की (जिसे इस प्रधिसूचना में इसके
पश्चात् "मध्यवर्ती माल" कहा गया है) ऐसे माल के रूप में पिनिष्टिद
करती है, जिसका विनियमण के स्थान से हटाया जाता गया वस्तुओं के
(जिन्हें इस प्रधिसूचना में इसके पश्चात् "परिणामी वस्तु" कहा गया है)
विनियोगिताओं को प्रदाय के लिए शुल्क के संबाय के बिना नियमित
प्रयोग के अधीन रहते हुए मनुष्यात किया जाएगा, यथात् :—

(i) ऐसे मध्यवर्ती माल का विनियोग ऐसे किसी विनियमाता को या
शुल्क छूट हक्कारी प्रमाणात भी शुल्क छूट स्कोम (जिसे
इस प्रधिसूचना में इसके पश्चात् "द्वितीय नियमित विनियम" कहा
गया है) के अधीन किसी अधिकारी का धारा है, ऐसे

माल के प्रदाय के लिए कोई अधिक मध्यवर्ती अनुशंसित धारण
करता है या उन्होंने ऐसी अनुशंसित की लिए अनुशासन प्राधिकारी
को प्रांगण किया है भी उसके लिए पावती अधिकारी कर-
ता है ;

(ii) मध्यवर्ती माल का परिणामी वस्तुओं के विनियम में उपयोग
के लिए हिसी प्रतिपादन की किसी अधिक निर्मिति
विवेदन के मद्देन प्रदाय किया जाता है ;

(iii) उत्पाद शुल्क के संबाय के बिना हटाए गए मध्यवर्ती माल की
मात्रा किसी अन्य नियमित विनियम को जारी किए गए शुल्क छूट
हक्कारी प्रमाणात के पावती ने अनुशंसित शुल्क छूट हक्कारी
से अधिक नहीं है;

(iv) मध्यवर्ती माल का प्रतिपादन नियमित विनियम की जाने वाले परिणामी वस्तुओं के विनियम के लिए या
समान विनियमों द्वारा तकनीकी प्रभिलक्षणों के शुल्क संबंध
उत्पाद शालेय माल की पुनः पूति के लाभ में उपयोग के लिए
नियमित है जिसका ऐसी परिणामी वस्तुओं के विनियम में
उपयोग किया गया है जिसका किसी शुल्क छूट हक्कारी प्रमाण-

पत्र के अधीन नियंत्रणात्मकों के निवेदन में पहले ही नियंत्रण किया जा सकता है :

परन्तु शुल्क संबंध उत्पाद शुल्क माल की पुनः पूर्ति के लिए अभिन्नात्मक मध्यवर्ती माल का अपर्याजन अस्तित्व में नियंत्रकता के कारणात्मक में और उत्पादन के लिए किया जा सकेगा या उसका ऐसी रूपता में व्यवन किया जा सकेगा जो प्रभिन्न नियंत्रकता के कारणात्मक पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर का जाए ;

- (v) अन्तिम नियंत्रकता कारणात्मक पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर के पास कारणात्मक के विधिविद्याओं और भूमि रेखाओं, प्रत्येक मध्यवर्ती माल और परिणामी वस्तुओं का बर्णन, ऐसी परिणामी वस्तुओं के विनिर्माण की प्रक्रिया और ऐसी अन्य विधिविद्याओं जो उत्तर सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट हो जाएं, देकर रजिस्टर करता है ;
- (vi) अन्तिम नियंत्रकता कारणात्मक पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर के साथ ऐसी प्रतिमूलिक का जो उनके द्वारा विनिर्दिष्ट हो जाए, इस अधिसूचना से उपर्युक्त प्रकृति में मध्यवर्ती माल पर उद्घटित उत्पाद शुल्क के बाबत एक संदाय करने का बहवंध करता हुए एक बंधनपत्र निष्पादित करता है ;
- (vii) अन्तिम नियंत्रकता हर बार जब वह मध्यवर्ती माल अभिन्नात्मक करता जाता है, लिखित रूप में कारणात्मक पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय सहायक कलक्टर को भावेन करता है और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के अधायन VII के उपर्युक्त जहाँ तक वे एक भाण्डागार से अन्य भाण्डागार को उत्पाद शुल्क माल के संचलन से संबंधित हैं, अपने विनिर्माण, उत्पादन या भाण्डागार के स्थान से अन्तिम नियंत्रकता के कारणात्मक तक मध्यवर्ती माल के संचलन के लिए लागू होंगे ;
- (viii) अन्तिम नियंत्रकता नमूना लेने की सुकर बनाने के लिए और उन्हें ऐसे परिणामों के अधीन करने के लिए जो कारणात्मक पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा निर्देशित किए जाएं, आवश्यक प्रबंध करता है ;
- (ix) इस अधिसूचना के अधीन अभिन्नात्मक मध्यवर्ती माल पर अन्तिम नियंत्रकता द्वारा की गई विनिर्माण प्रक्रिया से फैदा होने वाले किसी अपशिष्ट या उपत्यका की—

 - (क) शुल्क के संदाय पर निकासी की जाएगी, या
 - (ख) वह परिणामी वस्तुओं के विनिर्माण के लिए पुनः उपयोग के लिए अनुशासन किया जा सकेगा, या
 - (ग) यदि और उपयोग के लिए प्रनेप्यकृत पाया जाता है तो उसे सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन नष्ट कर दिया जाएगा ;

- (x) अन्तिम नियंत्रकता शुल्क छूट हक्कदारी प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट प्रबंध के भीतर या वहाँ गई ऐसी अवधि के भीतर जो अनुशासन प्राधिकारी या समिति द्वारा अनुशासन किया जाए, परिणामी वस्तुओं का नियंत्रण करता है ;
- (xi) मध्यवर्ती उत्पाद, अर्थात्, नाइलान काइबर, नाइलान सूत, नाइलान फैब्रिक, पालियस्टर काइबर, पालियस्टर सूत, पालियस्टर फैब्रिक, स्टैनलेस स्टील चादरें, स्टैनलेस पट्टियां, चुम्बकीय टेप, बहुमूल्य धातु बहुमूल्य धातु से ढकी हुई धातु और उनकी वस्तुओं

से वहे हुए वस्त्रियानी उत्पादों का नियंत्रण केवल नियंत्रित के द्वारा ही किया जा सकता है—

- (क) काँडला, मुम्बई, नवलीका, कोल्हीन, मध्यम, विशाखापट्टनम और कलकत्ता का कोई मग्निय पत्ता, या
- (ख) मुम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास और बंगलूर का कोई नायु पत्ता, या

- (ग) दिल्ली और बंगलौर का कोई नात्रिक कलेक्टर गिरों;
- (xii) अन्तिम नियंत्रकता शुल्क छूट हक्कदारी प्रमाणपत्र के भाग ध, इ, व और छ के गोदान विनिर्दिष्ट प्रोफेसरी में मध्यवर्ती माल और परिणामी वस्तुओं और उनके नियंत्रण का लेखा रखता है;
- (xiii) अन्तिम नियंत्रकता गार्न (x) में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के तीस दिन के भीतर, पोत परिवहन पत्रों, वहन पत्रों और शुल्क छूट हक्कदारी प्रमाणपत्र का प्रमाणित प्रतिग्रंथ के साथ परिणामी वस्तुओं के नियंत्रण को उपर्योग करने वाले प्रोफेसरी के भाग व में सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा की गई समूचित प्रविष्टियों सहित शर्त (xii) में विनिर्दिष्ट प्रोफेसरी में रखे गए लेखांशों का एक विस्तृत विवरण प्रस्तुत करेगा :

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोगन के लिए—

- (क) अधिम अनुज्ञापन, "अधिम मध्यवर्ती अनुमति" और "शुल्क छूट स्लीप" के बही अर्थ होंगे जो उनके समय-समय पर यथा-संशोधित भारत सरकार के धारिज्ञ मंत्रालय की लीक सूचना सं० १-शाहीसी (पीएन) /१०-१३ तारीख ३० मार्च, १९९० द्वारा यथा प्रकाशित भायात-नियंत्रण नीति अप्रैल-१९९० भार्त, १९९३ बाल्पूर १ के अध्याय XI में समानुदेशित है ।
- (ख) "शायिति" से केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के मुख्य भायात-नियंत्रण नियंत्रक के कार्यालय जी दस्तावेद प्रवृत्त कार्यालय जापन सं. ३/५४/७५-इंडीसी-तारीख ३ विसम्बर, १९७५ और परिवहन सं. ९/३०-८५ इंडीसी, तारीख २८ जून, १९८५ के अधीन गठित तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर पुनर्विठि अस्वाधित भायात प्रभित्रैत है ।
- (ग) "शुल्क छूट हक्कदारी प्रमाणपत्र" और "शायित नियंत्रित आदेश" के बही अर्थ होंगे जो उनके समय-समय पर यथा संशोधित भारत सरकार के धारिज्ञ मंत्रालय की लीक सूचना मं. आइ-शाहीसी(पीएन) /१०-१३ तारीख ३०-३-१९९० द्वारा यथा-प्रकाशित प्रधिम हस्त पुस्तक के अध्याय १९ में अप्रैल, १९९० मार्च, १९९३ बाल्पूर १ में दिए गए हैं ।
- (घ) "अनुशासन प्राधिकारी" से भायात और नियंत्रण (नियंत्रण) प्रधितिम, १९४७ (१९४७ का १८) के अधीन का भी भायात (नियंत्रण) आदेश, १९६५ के अधीन कोई अनुज्ञापन देने के लिए सफल प्राधिकारी प्रभित्रैत है ।

[फ. सं. ०२०९/५७/८९-के. उ.अ.-६]
एच. के. मित्तल, प्रबन्ध सचिव

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, १९४४ के नियम १९१ अनुच्छेद
अधीन प्रसंदेश उत्पाद-शुल्क या माल के वस्तुओं के विनिर्माण-
ताथों द्वारा किए जाने वाला बधपत्र (प्रथानुसूल के भाग)
(जी अक्षर और शब्द लागू न हो उन्हें काट दें)

म/ह्य जी
नियासी हूँ / है जिसे/जिन्हें इसां इसके पश्चात् बाध्यताधारी कहा

है, भारत के राष्ट्रपति के प्रति (जिन्हें इसके पर्यावात् याकार कहा गया है) उक्त विभाग का सरकार और संचाय करने के लिए संयुक्त हैं और पृथक्त होना नहीं है और यह सदाय संयुक्त है; और पृथक्त करने के लिए भी इस अपने को और अपने वित्तीय प्रतिविधियों को प्राविद करना होकरने हैं।

उक्त व्यावर वाध्यताधारी ने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क संहायक कलकटर (स्थान) की ओर भारत से बाहर निर्यात के लिए निम्न-वित्तीय वस्तुओं का विनियोग करने और उक्त वस्तुओं के विनियोग के लिए ऐसे प्रत्येक माल के सामने दी गई मात्रा में, जैसी कि व्याध्यताधारी द्वारा प्रयोक्ति हो जिन्हें वो इस में इसके नीचे विनियिष्ट बोमा से अधिक नहीं होगी, समय-समय पर उत्पाद शुल्क माल, याचिकारी, उत्पादन या विनियोग या भंडारण के स्थान से शुल्क का संचाय किए बिना ग्राह करने के लिए आवेदन किया है और उनकी अनुमति एजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र से तारीख से भारत प्राप्त हो गई है।

वस्तुओं का वर्णन

विनियोग के लिए अपेक्षित उत्पाद शुल्क माल भारत का वर्णन जो निम्नलिखित सूची से अधिक नहीं हो।

और संहायक कलकटर ने व्याध्यताधारी से इस विधिपत्र की रकम के लिए प्रतिभूति के रूप में रकम की नकद रकम। केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क संहायक कलकटर के पक्ष में पृष्ठांकित रकम के रूप में अंकित मूल्य की निम्नलिखित प्रतिभूतियाँ; भर्तुः—

और व्याध्यताधारी ने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क संहायक कलकटर को यह प्रतिभूति नकद। प्रतिभूति का निषेचन करके दे दी है;

अब, इस विधिपत्र की शर्त यह है कि उक्त व्याध्यताधारी इसके अधीन जीवी की गई अधिसूचना के साथ परिवर्तन नहीं करता है या उक्त उत्पाद शुल्क माल का उपयोग संहायक कलकटर के पूर्व शनुमोदन के बिना अपने आवेदन में कमित से विभिन्न प्रयोजन के लिए नहीं करता है;

और यदि व्याध्यताधारी अपने आवेदन में विनियिष्ट विनियोग की प्रक्रिया या रीति में परिवर्तन नहीं करता है या उक्त उत्पाद शुल्क माल का उपयोग संहायक कलकटर के पूर्व शनुमोदन के बिना अपने आवेदन में कमित से विभिन्न प्रयोजन के लिए नहीं करता है;

और यदि व्याध्यताधारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 और समय-समय पर उसके अधीन जारी लिए गए सभी संशोधनों के उल्लंघन का, जहाँ तक उनका संबंध ऐसी वस्तुओं के विनियोग में शुल्क का संचाय किए बिना उत्पाद-शुल्क माल के उपयोग और नियम के लिए ऐसी वस्तुओं को इटाने से है पालन करता है; और यदि सभी शोधों का, जहाँ उत्पाद-शुल्क हो या अन्य विधियों प्रभाव हों जो उक्त वस्तुओं और माल पर मांगे जा सकते हों जैसा कि उपग्रह अधिकारी के अधिलेखों में वर्णित हो, का संबंध सम्बन्ध रूप से उक्त अधिकारी द्वारा उसके लिए विभिन्न भाग किए जाने की तारीख से वह विन के भीतर कलकटर/संहायक कलकटर के लेखा में खाजाने में सम्बन्धित जगह कर दिया जाता है;

तो यह व्याध्यता शूल्क ही जाएगी।

व्याध्यता और इस शर्त के इसी भाग के अनुपालन में भग या असफलता की अज्ञा में यह पूर्णतः प्रवृत्त रहेगा और सरकार, अपने विकल्प पर, सभी नुस्खानी और हानि को प्रतिभूति निषेचन की रकम से या कठर लिखित विधिपत्र के अधीन अपने अधिकारी को प्रवृत्त करके या दोनों द्वारा पूरा करने के लिए सक्षम होगी।

मेरे हाथों लिखा करता हूँ/करते हैं कि यह विधिपत्र, केन्द्रीय सरकार के अधीन के अधीन ऐसे कार्य का विषयालन करने के लिए दिया जा रहा है जिसमें जनता हितवद्ध है।

स्थान :

दिल्ली

वाध्यताधारी

(वाध्यताधारीयों)
के हस्ताक्षर

मात्री (2)

पता (2)

पिका (1)
उपजाविका (2)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (भारत के राष्ट्रपति के लिए भी उनकी ओर से) भारत द्वारा को स्वीकार किया गया है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th September, 1990

NO. 33/90-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 757(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 191BB of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby specifies all excisable goods (hereafter in this notification referred to as the "intermediate goods") as goods whose removal from the place of manufacture shall be permitted without payment of duty for supply to manufacturers of all articles (hereafter in this notification referred to as the "resultant articles") subject to the following conditions, namely :—

- (i) the manufacturer of such intermediate goods holds an Advance Intermediate Licence or has applied for such licence to the Licensing Authority and has obtained an acknowledgement for the same, for supply of such goods to a manufacturer who is an holder of a Duty Exemption Entitlement Certificate and an Advance Licence under the Duty Exemption Scheme (hereafter in this notification referred to as the "ultimate exporter");
- (ii) the intermediate goods are supplied against an Advance Release Order to an ultimate exporter for use in the manufacture of resultant articles;
- (iii) The quantity of intermediate goods removed without payment of duty of excise does not exceed the duty free entitlement indicated in part C of the Duty Exemption Entitlement Certificate issued to an ultimate exporter;
- (iv) the intermediate goods are utilised by the ultimate exporter for manufacture of resultant articles to be exported or for use as replenishment of duty paid excisable goods of identical specifications and technical characteristics which have been used in the manufacture of resultant articles already exported in discharge of export obligations under a Duty Exemption Entitlement Certificate;

Provided that the intermediate goods obtained for replenishment of duty paid excisable goods may be utilised for further production in the factory of the ultimate exporter or may be disposed of in such manner as may

- be specified by the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of the ultimate exporter;
- (v) the ultimate exporter registers himself with the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory giving particulars and ground plan of the factory, description of each of the intermediate goods and resultant articles, the process of manufacture of such resultant articles, and such other particulars as may be specified by the said Assistant Collector;
- (vi) the ultimate exporter enters into a bond with the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory, with such security as may be specified by him, undertaking to pay an amount equivalent to the duty of excise leviable on intermediate goods, in the form annexed to this notification;
- (vii) the ultimate exporter applies to the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory in writing every time he desires to obtain intermediate goods and the provisions of Chapter VII of the Central Excise Rules, 1944, so far as they relate to the movement of excisable goods from one warehouse to another shall apply for movement of intermediate goods from the place of their manufacture, production or storage to the factory of the ultimate exporter;
- (viii) the ultimate exporter makes necessary arrangements for facilitating drawal of samples and subjecting them to such tests as may be directed by the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory;
- (ix) any waste or bye-product arising from the process of manufacture undertaken by the ultimate exporter on the intermediate goods obtained under this notification shall—
- be cleared on payment of duty; or
 - be allowed to be used again for manufacture of resultant articles; or
 - if found unfit for further use, be destroyed under the supervision of an officer of Central Excise in accordance with the procedure specified by the Assistant Collector;
- (x) the ultimate exporter exports the resultant articles within the period specified in the Duty Exemption Entitlement Certificate or within such extended period as may be permitted by the Licensing Authority or the Committee;
- (xi) the export of resultant products made out of intermediate products, namely, nylon fibre, nylon yarn, nylon fabrics, polyester fibre, polyester yarn, polyester fabrics, stainless steel sheets, stainless steel strips, magnetic tapes, precious metals, metals clad with precious metals and articles thereto, be made only through—
- any of the sea ports at Kandla, Bombay, Nhava Sheva, Cochin, Madras, Visakhapatnam and Calcutta; or
 - any of the airports at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras and Bangalore; or
 - any of the internal container depots at Delhi and Bangalore;
- (xii) the ultimate exporter maintains account of the intermediate goods and the resultant articles and exports thereof in the proforma specified under parts D, E, F and G of the Duty Exemption Entitlement Certificate;
- (xiii) the ultimate exporter submits within thirty days of the expiry of the period specified in condition (x), a detailed summary of the accounts maintained in the proforma specified in condition (xii), along with attested copies of the shipping bills, bills of lading and the Duty Exemption Entitlement Certificate with appropriate entries made by the officers of Customs in part F of the proforma indicating the export of the resultant articles.
- Explanation.**—For the purposes of this notification,—
- "Advance Licence", "Advance Intermediate Licence", and "Duty Exemption Scheme" have the same meanings assigned to them in Chapter XIX of Import-Export Policy, April 1990—March 1993 Vol. I as published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)90—93 dated the 30th March, 1990, as amended from time to time.
 - "Committee" means the Inter-Departmental Committee as constituted by the Central Government under the Office Memorandum of the Government of India in the Ministry of Commerce, Office of the Chief Controller of Imports and Exports No. 3|54|75-EPC, dated the 3rd December, 1975 and the Circular No. 9|30|85-EPC, dated the 28th June, 1985, and 168-ITC(PN)|88—91 dated 29-9-89, (F. No. 9|191|86-EPC), for the time being in force, or as reconstituted by the Central Government from time to time.
 - "Duty Exemption Entitlement Certificate" and "Advance Release Order" shall have the same meanings as assigned to them in Chapter XIX of the Handbook of Procedures April 1990—March 1993 Vol. I as published vide Public Notice

of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-LTC(PN)90-93 dated 30-3-1990 as amended from time to time.

- (d) "Licensing Authority" means an authority competent to grant a licence under the Imports (Control) Order, 1955 made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947).

[F. No. 209/57/86-CX6]

H. K. MITTAL, Under Secy.

BOND (WITH SECURITY) TO BE ENTERED INTO BY THE MANUFACTURER OF ARTICLES FROM NON-DUTY-PAID EXCISABLE GOODS UNDER RULE 191-BB OF THE CENTRAL EXCISE RULES, 1944.

(Delete the letters and words not applicable)

I/We of hereinafter called the obligor(s) am/are jointly and severally bound to the President of India (hereinafter referred to as the Government) in the sum of rupees to be paid to the Government for which payment I/We jointly and severally bind myself/ourselves and my/our legal representatives.

Whereas the above bounden obligors have applied to the Assistant Collector of Central Excise at for, and obtained his permission vide Registration Certificate No. dated to manufacture the following articles, for export outside India, and to receive from time to time, for the manufacture of the said articles, the excisable goods indicated against each such articles in quantities as may be required by the obligor(s) but not exceeding the limits specified hereunder, without payment of duty from the place of the production or manufacture or storage as the case may be.

Description of the articles

Excisable goods required for manufacture.

Description Quantity not exceeding the following limits.

And whereas the Assistant Collector has required the obligor(s) to deposit as guarantee for the amount of this bond,

the sum of Rupees in cash

The securities as hereinafter mentioned of a total face value of rupees endorsed in favour of the Assistant Collector of Central Excise namely :—

And whereas the obligor(s) has/have furnished such guarantee by depositing with the Assistant Collector of Central Excise the Cash/securities as aforementioned ;

Now the condition of this bond is that if the said obligor(s) shall undertake manufacture and export of articles as per provision of Rule 191-BB read with notification issued thereunder to the satisfaction of the Assistant Collector.

And, if the obligor(s) shall not make any change in the nature or manner of manufacture specified in his/their application or use the said excisable goods for any purpose other than that stated in the application without prior approval of the Assistant Collector ;

And if he obligor(s) shall observe all the provisions of the Central Excise Rules, 1944 and all amendments therein issued from time to time, so far as they relate to the use of excisable goods without payment of duty in the manufacture of such articles and for removal of such articles for export; and if all dues, whether excise duty, or other lawful charges which shall be demandable on the said articles and goods as shown by records of the proper officer be duly paid into the treasury to the account of the Collector/Assistant Collector within 10 days of the date of demand thereof being made in writing by the said officer.

This obligation shall be void.

Otherwise and on breach or failure in the performance of any part of this condition the same shall be in full force. AND the Government shall, at its option, be competent to make good all the loss and damages either from the amount of the guarantee deposit or by enforcing its rights under the above written bond or by both.

I/We declare that this bond is given under the orders of the Central Government for the performance of an act in which the public are interested.

Place :

Date :

Witness (1) Address (1)

Witness (2) Address (2)

Signature(s) of obligor(s)

Occupation (1)

Occupation (2)

Accepted by this day of 19 of Central Excise (for and on behalf of the President of India).

